Reg. No. : 12220789994/2017

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउन्डेशन

ख़िदमात

मानवता की सेवा ही अल्लाह की रज़ा

''अपने मिशन में कामयाब होने के लिए,
आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित्त,
निष्ठावान होना पड़ेगा।''

''शिक्षण एक बहुत ही महान पेशा है जो किसी व्यक्ति
के चरित्र, क्षमता और भविष्य को आकार देता है।''

''सपनें वो नहीं होते जो आप सोने के बाद देखते हैं,
सपनें वो होते हैं जो आपको सोने नहीं देते।''

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

15 अक्टूबर 1931 - 27 जुलाई 2015

प्रस्तावना

इंसानियत की ख़िदमत हमारा मकसद

''ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन'' समाज मे 2017 से जनकल्याणकारी बहुमुखी कार्यों के माध्यम से शिक्षा, साक्षरता, स्वास्थ, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, साहित्यिक, आर्थिक, वैवाहिक व सहयोग के पात्र लोगों की मदद करने के लिए विभिन्न स्त्रोतों से कार्यक्रमों का संचालन कर रही है ।संप्रदायिक सौहाद्र के सकारात्मक बहुमुखी प्रयासों के द्वारा राष्ट्रीय एकता, भाईचारा का महौल निर्मित करना। समाज के प्रतिभावान युवाओं को साशकीय, अर्धशासकीय , गैरशासकीय, और निजी विभिन्न संस्थाओं में रोजगार, व्यवसाय प्राप्ति हेतु दक्ष कर स्थापित करने में सहयोग करना। ऑल मुस्लिम वेलफ़ेयर फाउंडेशन अपने तमाम कामों में नैतिक सीमाओं की पाबंद है, और कभी ऐसे साधन और तरीके इस्तेमाल नही करती कि जो सच्चाई और ईमानदारी के खिलाफ हो या जिनसे सांप्रदायिक नफरत वर्ग संघर्ष और धरती पर फसाद और बिगाड़ पैदा हो ।फाउंडेशन को सिर्फ ख़िदमत ए ख़ल्क़ के लिए बनाया गया है।जिसमें हर अक़ीदे और फिक्र के लोग सदस्य बन सकते है ।जो तमाम इंसानियत के लिए दर्द रखता हो और समाज के लिए कुछ बेहतर करने की ख़्वाहिश रखता हो ।अपने अक़ीदे को मजबूती से पकड़े हो और दूसरों के अक़ीदे की कोई बुराई ना करें। जिसके किरदार में अख़लाक़ हो और दूसरों के लिए गुंजाइश रखता हो ।फाउंडेशन द्वारा कई ऐतिहासिक कार्यक्रम भी किए गए जिसमें इन 5 सालों में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए पूरे छत्तीसगढ़ से अब तक 4000 से अधिक ब्लड यूनिट डोनेट कराएं ।एक भव्य आयोजन बच्चा बच्चा गांधी भी था जिनमे 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन रायपुर राजधानी से विश्व मे पहली बार एक भव्य आयोजन किया गया जहां 6,000 बच्चे जयस्तंभ मे उपस्थित हुए और लगभग 2200 बच्चो ने गांधी जी के प्रतिरूप बनाया गया ।शहर पूरी तरह गांधीमय नजर आ रहा था। जयस्तंभ से माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं अन्य मंत्रीगण के अगुवाई मे गांधी मैदान तक की पद यात्रा की गई।हजारो बच्चो के साथ गांधी मैदान मे भारत का नक्शा बनाकर मध्य से माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पूरे विश्व से शांति का आह्वान किया और राष्ट्रगान किया यह एक ऐतिहासिक क्षण था । ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन ने इस विश्व स्तरीय कार्यक्रम को पूरा किया।

''बिकने को जो तैयार है बाजारे नबी में, रब्बे क़दीर उसका खरीदार हो गया''

खुदा ने इंसानों की भलाई और रहनुमाई के लिए अपने महबूब नबी को भेजा जिन्होंने पूरी दुनिया में इंसानियत का पैगाम दिया। हम भी हमारे नबी के पैगाम को ''ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन'' के जरिए आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हर जरुरतमंद इंसान की मदद करने हम लगातार काम कर रहे हैं। जैसे कोविड महामारी के दौर में जरुरतमंदों तक राशन पहुंचाना, मृतजनों को उनके आखिरी मंजिल तक पहुंचाना। इसके अलावा कब्रिस्थान की साफ-सफाई, नन्हें रोजदारों की हौसलाअफजाई, मेडिकल कैम्प, युवाओं के लिए रोजगार कैम्प इत्यादि।

यह बहुत हर्ष का विषय है कि ''ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन'' द्वारा अपने सभी नेक कामों को एक पुस्तक का रुप देकर सभी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। ''ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन'' की कॉफी टेबल बुक के प्रकाशन पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं...

अर्जगुजार

सैय्यद फैसल रिज़वी

संरक्षक

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन

''ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन'' का मकसद केवल ख़िदमत-ए-ख़ल्क यानि मानवता की सेवा करना है और इसी ध्येय के साथ फाउण्डेशन लगातार कार्य कर रही है। आज सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में फाउण्डेशन की शाखाएं हैं। जहां से हमारे पदाधिकारी लोगों की सेवा निःस्वार्थ रुप से करते आ रहे हैं। विभिन्न संगठनों द्वारा भी फाउण्डेशन को सम्मानित किया जा चुका है। यह हमारी खुश नसीबी है कि आज छत्तीसगढ़ में ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउण्डेशन की एक अलग पहचान है।

फाउंडेशन ख़िदमत-ए-ख़ल्क की नीयत से लगातार कार्य करते आ रही है। फाउंडेशन द्वारा अपने कार्यों को कॉफी टेबल बुक के रुप में संजोया है। जो आप सभी तक फाउंडेशन की नीयत व कार्य पहुंचाने की कोशिश है। आश करता हूँ कि आप सबको फाउंडेशन की यह कॉफी टेबल बुक पसंद आएगी।

अर्जगुजार

मोहम्मद सिराज

प्रदेश अध्यक्ष

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन

फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही खिदमात

ख़िदमत-ए-ख़ल्क़ - (इंसानियत की खिदमत)

- मेडिकल कैम्प
- ख़िदमत-ए-ख़ल्क सम्मान समारोह
- ब्लड कैम्प
- राशन बाटना
- तोहफा कपड़ों का
- वक़्फ की खिदमत - कब्रिस्तान सफाई
- हमदर्द दवाखाना
- फख़्र ए मिल्लत (सम्मान समारोह)
- शान ए मिल्लत(सम्मान समारोह)
- नेत्र जाँच शिविर
- हिजामा कॉन्फ्रेंस एंड कैम्प
- नशा छोड़ें खेल चुने
- वृक्षारोपण
- बैतूलमाल
- जन्नत की सवारी (मय्यत गाड़ी)
- कलम का लंगर
- नुरूस्सुबह हॉल
- रौनक-ए-जहां
- सीरत-ए-हसन (र.अ.)
- स्कूली जूतों को तोहफा

ज़रिया-ए-रिश्ता - (निकाह को आसान बनाना)

- वेबसाइट
- परिचय सम्मेलन
- पहली मुलाकात
- सामाजिक बैठक
- प्री मैरिज कॉन्सलिंग
- मिनी परिचय सम्मेलन

राहेदीन - (बच्चों को दनि के करीब लाना)

- नन्हें रोजेदार
- आजान कॉम्पिटिशन
- कुरान मुकम्मल
- क्विज कॉम्पिटिशन
- नन्हें होनहार

जरिया-ए-रोजगार - (नवजवानों को रोजगार से जोड़ना)

- जॉब प्लेसमेंट
- रोजगार पंजीयन एण्ड शासकिया योजना पर मदद
- पर्सनालिटी डेवलपमेन्ट
- स्वारोजगार (ट्रेनिंग एण्ड हैल्प)

जरिया-ए-तालीम - (इल्म में आसानी पैदा करना)

- स्पोकन इंग्लिश क्ला
- कंप्यूटर क्लास
- कोचिंग क्लास (पांचवी से बारहवीं क्लास तक)
- पर्सनालिटी डेवलपमेन्ट (कौशल प्रस्तुति)
- मुस्लिम बच्चों को शिक्षा की ओर
- ईदी कलम की

हुनर को सलाम

- मेहंदी कॉम्पिटिशन
- नात कॉम्पिटिशन
- कुकिंग कॉम्पिटिशन
- वेस्ट से बेस्ट
- नन्हें चौंपियन (इंडोर खेल प्रतियोगिता)
- खेलों का आयोजन
- जनाब हाजिर जवाब (मासूम बच्चों में बेहतरी वक्ता की तलाश)

खिदमत-ए-खल्क

(इंसानियत की खिदमत)

मेडिकल कैम्प

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। जिसमें हर कौम के लोग मुफ्त में अपनी चिकित्सा जांच एवं ईलाज करवा सकते हैं।

हमदर्द दवाखाना

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन ज़रूरतमंद लोगों के लिए 2019 से लगातार छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करती आ रह है। जिसमें यूनानी, होम्योपैथी, आयुर्वेद चिकित्सा, मधुमेह, उच्च-रक्तचाप, अनिद्रा, अवसाद जांच एवं विशाखापट्टनम के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा हृदय रोग, हड्डी रोग, न्यूरो एवं स्त्री रोग आदि की जांच,परामर्श और हमदर्द दवाखाना के माध्यम से हर रविवार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया जाता है।

SERVICE TO HUMANITY IS SERVICE TO ALLAH

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउन्डेशन
स्वास्थ्य शिविर - 17.11.2021

जीवन शैली जन्य व्याधि
जाँच व परामर्श

खिदमत-ए-खल्क
(इंसानियत की खिदमत)

ब्लड कैम्प

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन 2018 से हर ईदमिलादुन्नबी के मौके पर रहमत ए आलम की याद में थैलेसीमिया के शिकार बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन करती आ रही है। इस शिविर में आने वाले ब्लड को बिना किसी भेद भाव के थैलेसीमिया पीढ़ित मासूम बच्चों तक निःशुल्क पहुंचाया जाता है।

यह आयोजन छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में एक साथ आयोजित होता है और अब तक फाउंडेशन ने इन 5 सालों में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए लगभग 4000 यूनिट ब्लड डोनेट करवाया है।

इस कार्यक्रम का मकसद अपने आका को अज़ीज़ी पेश करना है।

ईद पर एसपी ने भी किया रक्तदान

खिदमत-ए-खल्क

(इंसानियत की खिदमत)

राशन बाटना

कोविड-19 जैसी महामारी के दौर में फाउंडेशन ने लगातार 2 साल जरूरतमंद लोगों तक राशन पहुंचाएं। इस कार्यक्रम का मकसद कोई परिवार भूखा ना रहे और जरूरत पड़ने पर लोगों को अस्पताल एवं मृतकों को मुक्तिधाम तक पहुँचाने का भी कार्य किया ।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

प्रशस्ति-पत्र

श्री/श्रीमती/कुमारी ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन कवर्धा को कोरोना वारियर्स के रूप में उनके उल्लेखनीय कार्य कोरोना काल के दौरान कोरोना से मृत लोगो को कब्रिस्तान या मुक्तिधाम तक पहुंचाने व कफन दफन मुखाग्नि में सहयोग के लिये स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र सहर्ष प्रदान किया जाता है ।

आपके सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की जाती है ।

कवर्धा - 15 अगस्त, 2021

(रमेश कुमार शर्मा)
I.A.S.
कलेक्टर
जिला-कबीरधाम

भिलाई-रायपुर, बुध

अंचल की खब

फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष का

कवर्धा। शहर के ऑल मुस्लिम वेलफेयर
कोरोनाकाल में मृत लोगों को कब्रिस्तान व
व मुखाग्नि में सहयोग करने पर जिला स्तर
दिवस कार्यक्रम में मंत्री टीएस सिंहदेव ने जिल
उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित
ऑल मुस्लिम वेलफेयर कवर्धा संरक्षक अब्दु
उपाध्यक्ष बिलाल गांधी, सचिव अफजल खा
शेख समेत टीम के अन्य सदस्य मौजूद थे।

वार 18 अगस्त, 2021 | 17

रें

किया सम्मान

फाउंडेशन की ओर से
मुक्तिधाम तक पंहुचाने
पर आयोजित स्वतंत्रता
ा अध्यक्ष हनीफ खान व
किया गया। इस मौके पर
ल सईद खान (फौजी),
न, मजीद खान, वसीम

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन कवर्धा

खिदमत-ए-खल्क

तोहफा कपड़ों का

रमजान के पाक मौके पर सभी संभागों में ऐसे जरूरतमंद परिवार जो ईद के लिए नए कपड़े ले पाने में सक्षम होते हैं उन परिवारों के लिए नए कपड़ों की व्यवस्था कर उनको दिया जाता है । और ठंड के मौसम में जरूरतमंद परिवारों तक गर्म कपड़े पहुंचाने का भी काम किया है। इस कार्यक्रम का मकसद गरीब से गरीब परिवार तक खुशियां पहुंचाने की है।

कार्यालय

खिदमत-ए-खल्क
(वक्फ़ की खिदमत)

कब्रिस्तान सफाई

उजड़ गया वो बाग़ जिसके लाखों (माली) थे .....

सिकंदर पहुँचा जब कब्र ,उसके भी दोंनो हाथ खाली थे

फाउंडेशन ने मिशन के तौर पर कब्रिस्तानों की साफ सफाई का अभियान चलाया और सालों से जमे कचरे को साफ कर दबी हुई कब्रों उजागर किया। 'इस साफ-सफाई का मकसद आखरीयत की फिकर बढ़ाना और लोगों को जागरूक करना है।

खिदमत-ए-खल्क
(सम्मान अपनों का)

''इंसान तो हर घर मे पैदा होते है,

बस इंसानियत कही कही जन्म लेती है।''

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन 2018 से लगातार हर साल छत्तीसगढ़ के अलग-अलग संभागों में इंसानियत की खिदमत कर रही मुस्लिम तंजीमों को खोज कर उनकी हौसला अफजाई के लिए, उनके नेक कामों को सराहते हुए , उन तंजीमों को ख़िदमत ए ख़ल्क़ के सम्मान से सम्मानित करती रही है।

इस सम्मान का मक़सद अलग-अलग जिलों में ख़िदमत कररही तंजीमों को एक छत के नीचे लाना। ताकि हर जिले की तंजीमें एक-दूसरे से भी जुड़कर सहयोग प्राप्त कर सकें। ऐसी नेक सोच वाली तंजीमों को एक छत के नीचे लाना निश्चित ही मुस्लिम समाज को मजबूती प्रदान करता है।

फखर ए मिल्लत (सम्मान समारोह)

फाउंडेशन द्वारा 60-साल की उम्र वाले हमारे ऐसे बुजुर्ग जिन्होंने पूर्व में कौम की खिदमत के लिए निःस्वार्थ कार्य किया और वर्तमान में ऐसे लोग जो कौम की खिदमत कर रहें हैं। उन ख़ास शख्सियतों का फाउंडेशन फखर ए मिल्लत के एज़ाज़ (सम्मानित) किया गया। यह सम्मान का कार्यक्रम हमारी समाज के उन महिलाओं के लिए भी किया गया जिनके काम दूसरी महिलाओं के लिए मिशाल है। उन महिलाओं को फाउंडेशन की हमशीरा ग्रुप द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान का मकसद कौम की काबिल महिलाओ को तर्ज़ी देना।

इस इज़्ज़त अफ़ज़ाई का मकसद अपने बुजुर्गो की कद्र करना ,इज्जत करना और अपने लोगों मे हौसला बढ़ाना है।

शान ए मिल्लत (सम्मान समारोह)

ऐसे लोगों जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में बहुत ही बेहतरीन प्रदर्शन किया और पूरे कौम की इज्जत बढ़ाई हम भी चलने खोज खोज कर ऐसे शख्सियत को मिल्लत की शान समझते हुए उनका सम्मान किया और हौसला अफजाई किया। फाउंडेशन का मकसद अपने लोगों को बढ़ावा देना है।

कवर्धा की बेटी अशिफ़ा शाह को
10th बोर्ड परीक्षा में पूरे छत्तीसगढ़
में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर
आल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन कवर्धा
की तरफ से बहुत बहुत मुबारकबाद

खिदमत-ए-खल्क
(इंसानियत की खिदमत)

नेत्र जाँच शिविर (निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर)

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के सु सिद्ध नेत्र संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र जाँच का शिविर किया। इस शिविर में आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन एवं आने-जाने और रहने के साथ भोजन की निःशुल्क व्यवस्था दी और हर महीने के आखिरी रविवार अपने कार्यालय में नेत्र जांच शिविर की परंपरा शुरूआत की 'फाउंडेशन का मकसद समय रहते गरीब परिवार भी अपनी आंखों के इलाज करा सके।'

हिजामा कॉन्फ्रेंस एंड कैम्प

'बस्तर संभाग में सफलतापूर्वक हिजामा कॉन्फ्रेंस कराया गया जिसमें कई लोग हिजामा जैसे अजीम नुस्खे से रूबरू हो सके और इस कार्यक्रम का मकसद हिजामा पद्धति को बढ़ावा देना था।

माशाअल्लाह इन सब के
मोतियाबिंद के ऑपरेशन हो
चुके

खिदमत-ए-खल्क

नशा छोड़ें खेल चुने

'प्रदेश में काम कर रही सभी मुस्लिम तंजीमों को अपने संभाग जिला व ब्लॉक स्तर पर ज्यादा से ज्यादा खेलों का आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया। ताकि हमारे नौजवानों का रूझान नशा छोड़ कर खेल की ओर बड़े और इसके लिए फाउंडेशन ने खुद भी राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट फुटबॉल टूर्नामेंट आदि का आयोजन किया और अलग-अलग जिलों में होने वाले खेलों के लिए तंजीमों की आर्थिक मदद की 'फाउंडेशन का मकसद नशा छोड़ें खेल व सेहत चुने।

ऑल मुस्लिम वैलफ़ेयर फाउंडेशन
बस्तर संभाग मुस्लिम समाज
स्पॉन्सर

खिदमत-ए-खल्क

वृक्षारोपण

'ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन 2018 से लगातार कब्रिस्तान, सामाजिक स्थल आदि में फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाती है।

चैनल इंडिया

कब्रिस्तान में युवाओं ने किया वृक्षारोपण

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा किया गया वृक्षारोपण

कोण्डागांव 15 जुलाई (हाईवे चैनल)। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के मार्फत आज सुन्नी मुस्लिम कब्रस्तान में जिला अध्यक्ष आली जनाब शकील सिद्दीकी के नेतृत्व में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। इस दौरान नीम, काजू, शरीफा और गुलमोहर के पौधे लगाए गए। फाउंडेशन द्वारा इन पौधों की देखभाल कर कुछ दिनों में और भी कई तरह के पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष शकील सिद्दीकी, अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सेक्रेटरी इरशाद खान, तनवीर अंसारी, शब्बीर अहमद, सैयद आबिद, अजमल अंसारी, सैयद इस्लाम, साहिल वगैरह मौजूद रहे।

प्रदेश बैठक

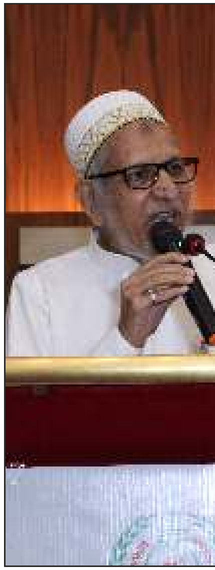

रायपुर संभाग टीम

दुर्ग संभाग टीम

सरगुजा संभाग टीम

हमशीरा ग्रुप

बस्तर संभाग टीम

बिलासपुर संभाग टीम

ज़रिया-ए-रिश्ता

(निकाह को आसान बनाना)

'ज़रिया ए रिश्ता आल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित एक कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत आज शादी के लिए लड़का या लड़की ढूंढने में होने वाली समस्याओं के समाधान पर कार्य कर रही है। आज रिस्ता ढूंढना बहुत ही मुश्किल काम बन गया है। सही उम्र में रिश्ता मिलना बहुत मुश्किल हो गया है।

इन सारी परेशानियों को देखते हुए फाउंडेशन ''जरिया-ए-रिश्ता'' के अंतर्गत कई प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। छत्तीसगढ़ के हर शहर से शादी के लायक हो चुके मुस्लिम लड़के/लड़कियों का बायोडाटा लगातार इकठ्ठा किया जाता है। और इसे वेबसाइट (घर बैठे रिश्ता देखेंने की सुविधा), परिचय सम्मेलन व पहली मुलाकात के माध्यम से परिवारों को आमने सामने कर जोड़े बनाने की कोशिशें की जाती है। इससे रिश्ता ढूंढना बहुत आसान हो जाता है। हमें आपको बताते हुए बहुत ख़ुशी है कि पिछले 6 सालों में जरिया ए रिश्ता अपनी इन कोशिशों से अब तक 500 से अधिक रिश्ते जोड़ चुका हैं। फाउंडेशन का मकसद निकाह को आसान बनाना है।

वेबसाइट

'घर बैठे रिश्ता देखना आसान करने के लिए। amwfoundation.in पर ऑनलाइन सभी लड़के-लड़कियों का बायोडाटा उपलब्ध कराना ताकि हर मुस्लिम परिवार घर बैठे-बैठे ही अपने मोबाइल पर आसानी से सभी प्रकार का रिश्ता देख सके व बायोडाटा पसंद कर सकें और ऑनलाइन बायोडाटा भी शामिल कर सके।

इस वेबसाइट में शादी से संबंधित सभी जरूरी लोगों का नंबर भी उपलब्ध होगा जैसे मुस्लिम भवन, खानशामा, किराया भंडार, दरूद खानी वाली टीमें, लाइट डेकोरेशन, मेहंदी लगाने वाले, मिट हॉउस, सेहरा बनाने वाले, कार डेकोरेशन, फोटोग्राफी व वीडियो शूटिंग, निकाह पढ़ने वाले, आदि।

वेबसाइट रोजाना अपडेट करने के लिए एक वैतनिक व्यक्ति भी नियुक्त किया गया है। आज यही कारण है कि कुछ ही समय में जरिया ए रिश्ता से हज़ारों परिवार जुड़ चुके हैं और हज़ारों बायोडाटा संस्था में जमा हो चुके हैं।

रायपुर - परिचय सम्मेलन

दिनांक 14 मार्च 2020 शनिवार

बिलासपुर - परिचय सम्मेलन

दिनांक 17 जनवरी 2021 रविवार

परिचय सम्मेलन

4.9.2021 मुस्लिम हॉल, संजय नगर, रायपुर

ज़रिया-ए-रिश्ता

(निकाह को आसान बनाना)

परिचय सम्मेलन

'परिचय सम्मेलन का मूल उ`श्य है शादी के लिए लड़का-लड़की ढूंढ रहे परिवारों को एक मंच में लाकर आमने-सामने उनका परिचय करवाना और ज्यादा से ज्यादा जोड़े बनाने की कोशिश करना। यह कार्यक्रम साल में 4 बार किया जाता है अलहमदुलिल्ला इस कोशिश से हमने सबसे ज्यादा जोड़े तैयार किए हैं और भविष्य में भी परिचय सम्मेलन लगातार करते रहेंगे।

पहली मुलाक़ात

'रिश्ते के लिए दो परिवारों की मुलाकात कराने की आसान जगह। रिश्ते की बात करने के लिए पहली बैठक बहुत अहम होती है घर की साफ-सफाई आने वालों के लिए नाश्ता पानी आदि का खर्च ऐसे कई प्रकार की तैयारियों पर समय लगता है। जिससे पहली बैठक प्रभावित होती है थोड़ी कमबेशी होने पर, आने वाले कि सोच नकारात्मक भी हो जाती है चाहे मेज़बान कितने भी भले लोग हो रिश्ता जुड़ता नहीं। साथ ही घर में इतनी तैयारियों और बेफिजूल खर्च से बचा जा सके।

घर पर देखने आ रहे रिश्तों में लड़के/लड़की को 3 यदि से ज्यादा लोग देख कर चले जाते है और किसी भी अन्य कारण से रिश्ता नहीं हो पाता। लड़के /लड़कियों में एक मानसिक उदासी आने लगती है और अंदर ही अंदर मायूस होने लगते हैं परिवार के लोगों पर भी मानसिक दबाव बढ़ने लगता है और अड़ोस-पड़ोस के लोग जाने अनजाने अफवाह फैलाने में भी कमि नही करते। यह सब से भी उनको बचाया जा सके।

कई लोग दूसरे शहर से आते हैं, एक जगह से दूसरी जगह आने जाने में बहुत समय खर्च हो जाता है। जिसके कारण मीटिंग कम हो पाती है। दूसरे शहर से आने वाले परिवारों के लिए भी ज़रिया ए रिश्ता के आफिस में ही दिन भर रूकने और फ्रेश होने की व्यवस्था किया गया है। ताकि वह एक दिन में ज्यादा से ज्यादा परिवार से मिल सके।

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन
परिचय सम्मेलन
ज़रिया-ए-रिश्ता

ज़रिया-ए-रिश्ता

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन परिवार
4:09:2021 शनिवार

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउन्डेशन

राहेदीन
(बच्चों को दिन के करीब लाना)

नन्हें रोज़ेदार

'बहुत ही खुशी की बात है कि इस रमजान में ऐशी गर्मी के समय हमारे समाज के 11 साल से भी कम उम्र वाले नन्हे-मुन्हें बच्चें , इतने शि त वाले रोज़े रखेते है और कई बच्चों तो पूरे महीने के रोज रखें उन बच्चों और उनके माँ बाप के दीनी ज़ज़्बे को सलाम करते हुए पिछले 5 सालों से फाउंडेशन ऐसे बच्चों का हौसला अफजाई करती आ रही है। लाज़मी है कि हम सब ऐसे बच्चों को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है , जो समाज के दूसरे बच्चों को नेकी की ओर खींचते है। फाउंडेशन ऐसे बच्चों को सर्टिफिकेट मोमेंटो और यादगार तोहफे देकर इन्हें एहसास दिलाने की कोशिश करती है कि आपका जज्बा काबिले तारीफ है और आप लगातार नेकी की ओर बढ़ते रहें।

'पिछले 5 सालों में फाउंडेशन के पास 6380 नन्हे रोजदार हिस्सा ले चुके हैं अल्हम्दुलिल्लाह हर साल यह तादाद बढ़ रही है।

आज़ान कॉम्पिटिशन

कॉम्पिटिशन तो एक बहाना है आपके बच्चों को दीन के करीब लाना है। मोमिन की पैदाइश हो या सुपुर्द-ए-खाक तो अज़ान। अज़ान से प्यारी दावत और कोई नहीं । बड़ी फजीलत वाली है अज़ान। बहुत जरूरी है कि हमारे बच्चों को इसकी अहमियत पता हो।' 'ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन पिछले 4 सालों से पूरे छत्तीसगढ़ स्तर पर (4-से-7 व 8-से-11)साल से कम उम्र के बच्चों का आज़ान कॉम्पिटिशन का कार्यक्रम कर रही है। ' इस कंपटीशन में बड़ी उत्साह के साथ छत्तीसगढ़ के हर जिले से हजारों बच्चे भाग लेते हैं।

कुरान मुकम्मल

2022 के रमज़ान 16 साल की उम्र तक के बच्चों के लिए कुरान मुकम्मल करने पर फॉउंडेशन इन बच्चों का हौसला अफजाई किया। फाउंडेशन का मकसद अपने मरहूमिन के इसाले सवाब के लिए घर के बच्चे कुरआन पढ़े किसी दूसरे का इंतजार ना करना पड़े।

Azan
Competition
मुकम्मल

राहेदीन
(बच्चों को दिन के करीब लाना)

फातेहा मुकम्मल

2023 के रमज़ान 16 साल से कम उम्र के बच्चों को तरीका के फातेहा की ओर बढ़ाया गया। जिसमें चार कुल,अलहम शरीफ, अलिफ-लाम-मीम के सूरे पढ़ कर उसका वीडियो मंगाया गया और ऐसे बच्चों का हौसला अफजाई किया गया। फाउंडेशन का मकसद अपने घर की फतेहा के लिए दूसरों का इंतजार ना करना पड़े।

क्विज कॉम्पिटिशन

कॉम्पिटिशन तो एक बहाना है आपके बच्चों को दीन के करीब लाना है। हमारे बुजुर्ग ए दिन अम्बिया, सहाबा, औलिया और वलीउल्लाह की सीरत पर सवाल जवाब कर बच्चों को उनके बारे में जानने का शौक़ पैदा करने की नीयत से यह क्विज कॉम्पिटिशन किया जाता है।

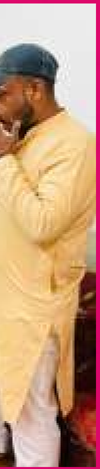

जरिया-ए-रोजगार

(नवजवानों को रोजगार से जोड़ना)

बेशक रिज़्क़ का देने वाला अल्लाह ही है। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन कौम के बेरोजगार नौजवानों को उनकी योग्यतानुसार नौकरी दिलवाने हेतु, हर मुमकिन कोशिशें करती है। नवजवानों को पसंदीदा कार्यक्षेत्र चुनने का तरीका, साक्षात्कार, रिज्यूम बनाना, डॉक्यूमेंट सेटअप ,बॉडी लैंग्वेज, कम्युनिकेशन स्किल ,पर्सनालिटी डेवलपमेन्ट, रोजगार पंजीयन एण्ड शासकिया योजना पर मदद आदि की तैयारी एक्सपर्ट द्वारा कराया जाता है। ताकि नवजवानों को नौकरी के ज्यादा से ज्यादा ऑप्शन दिलवा सके।

जरिया-ए-तालीम

(इल्म में आसानी पैदा करना)

´ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा स्पोकन इंग्लिश क्लास ,कंप्यूटर क्लास, कोचिंग क्लास (पांचवी से बारहवीं क्लास तक), पर्सनालिटी डेवलपमेन्ट (कौशल प्रस्तुति) आदि की व्यवस्था को मुस्लिम बच्चों के लिए आसानी से उपलब्ध करना।

´ईदी कलम की - ईद के दिन नन्हे बच्चों को कलम का तोहफा देकर उन्हें तालीम की ओर मजबूति से आगे बढ़ने का संदेश देना।

WELFARE

ALL MUSLIM WELFARE
FOUNDATION

ALL MUSLIM WELFARE
FOUNDATION

WELFARE

ALL MUSLIM WELFARE
FOUNDATION

जरिया-ए-तालीम

(मजबूत बुनियाद की ओर)

बचपन ही सही वक्त है तालीम देनें की!
हम तजुर्बा दे कर उसे बर्बाद ना करें!!
क्योंकि तालीम नही मिलेगी एक उम्र के बाद !
तजुर्बे तो ता-उम्र मिलेंगें हर ठोकर के बाद !!

मुस्लिम समाज के वो बच्चे जो 4 साल के हो चुके है और किसी मजबूरी या अन्य कारण से अभी तक स्कूल में भर्ती नही ले पाते । फाउंडेशन उन बच्चों को स्कूल में भर्ती कराएगी।

क्योंकि आंकड़े कहते है कि ऐसे बच्चे जो कक्षा 1 से पढ़ाई शुरू करते है , 37 प्रतिशत प्रारंभिक शिक्षा भी पूरी नहीं कर पाते और जो प्रारंभिक शिक्षा पूरी करते हैं उनकी पढ़ाई का स्तर इतना अपर्याप्त होता है कि अगले स्तर की शिक्षा के साथ उनका सामंजस्य नहीं बैठ पाता , हमारा मकसद बचपन से ही प्रारंभिक शिक्षा ,अच्छी गुणवत्ता, एक-दूसरे के साथ इंटरैक्ट कम्युनिकेशन, कक्षा-उपयुक्त शिक्षा देने, स्कूल की अन्य गतिविधियां आदि पर केन्द्रित है। ताकि बच्चों की शुरूआत मजबूत हो सके।

★ वर्ष 2023 यह सुविधा फाउंडेशन की ओर से किसी एक स्कूल में सीमित बच्चो के लिए व्यवस्थित किया जाएगा।

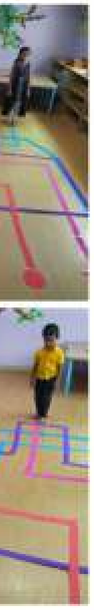

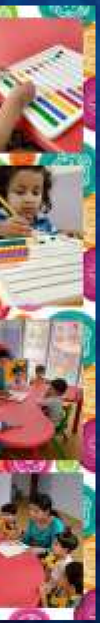

हुनर को सलाम

मेहंदी कॉम्पिटिशन

'ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन हमशिरा ग्रुप द्वारा लड़कियों के हुनर को निखारने और उनका हौसला अफजाई करने के लिए। मेहंदी कॉम्पिटिशन कराया गया। इस कॉम्पिटिशन को छत्तीसगढ़ के कई जिलों में मुकम्मल किया गया माशाअल्लाह बहनों का बहुत शानदार रूझान था और भविष्य में भी इस कार्यक्रम की डिमांड है। कॉम्पिटिशन तो एक बहांना है , बस हमारी बहनों का हौसला बढ़ाना है। '

नात कॉम्पिटिशन

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन, हमशिरा ग्रुप द्वारा बहनों के हुनर को निखारने और उनका हौसला अफजाई करने के लिए नांत कॉम्पिटिशन कराया गया। इस नाथ कंपटीशन में छत्तीसगढ़ के कई जिलों से महिलाओं ने हिस्सा लिया कॉम्पिटिशन तो एक बहांना है, बस हमारी बहनों का हौसला बढ़ाना है।'

10 सवाल 10 ईनाम

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन, हमशिरा ग्रुप द्वारा कुरान की बातों को आम करने के लिए घरों घर होने वाले दरूद खानी में जाकर कुरान से जुडे 10 सवाल पूछा जाता है, सही जवाब देने पर उन्हें इनाम दिया जाता है इससे खुश होकर लोग और ज्यादा तवज्जो से सवालों को सुनते हैं और नए-नए सवालों को याद रखते हैं इससे ज्यादा से ज्यादा कुरान की बातें शहर में रह जाती है। फाउंडेशन का मकसद लोगों को कुरान से जोड़ना है।

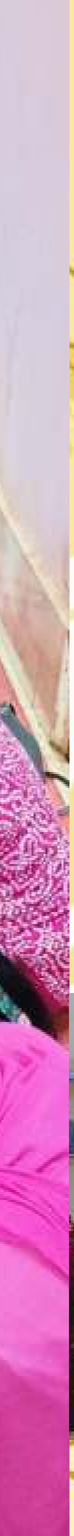

Azan

बच्चा-बच्चा गाँधी

(नमन बापू)

2 अक्टूबर 2019

भारत ही नहीं लगभग पूरे विश्व पटल पर महात्मा गाँधी सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि शान्ति और अहिंसा का प्रतीक है। महात्मा गाँधी ने जिस प्रकार सत्याग्रह, शान्ति व अहिंसा के रास्तों पर चलते हुये अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर किया, उसका कोई दूसरा उदाहरण विश्व इतिहास में देखने को नहीं मिलता। तभी तो प्रख्यात वैज्ञानिक आइंस्टीन ने कहा था कि - हजार साल बाद आने वाली नस्लें इस बात पर मुश्किल से विश्वास करेंगी कि हाड़-मांस से बना ऐसा कोई इन्सान धरती पर आया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी वर्ष 2007 से गाँधी जयंती को 'विश्व अहिंसा दिवस' के रूप में मनाये जाने की घोषणा की। गांधी जी के विचार विश्व पटल पर शोध एवं मंथन का विषय बना हुआ है।

लेकिन कुछ तथाकथित लोग इस महान छवि को धूमिल करने में प्रयासरत हैं। इस प्रकार के निम्नमानसिकता वाले लोगों को एहसास दिलाना जरूरी है की उनका यह प्रयास व्यर्थ है गांधीवाद आज भी हैं और कल भी रहेंगा। आज हम गाँधी जी की उस विचार को लोगो के सामने लाने का प्रयास कर रहे हैं जो हम सभी के लिये सर्वधर्म सद्भावना का प्रतीक है।

विश्व मे पहली बार छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कई संस्थाओ से सहयोग से एक भव्य आयोजन किया गया जिसमे 6,000 बच्चे जयस्तंभ मे उपस्थित हुए जिसमे से लगभग 2200 बच्चो ने गांधी जी के प्रतिरूप बने हुए थे और कई बच्चे हाथो मे गांधी जी द्वारा कहे उद्देश्यो की तख्ती हाथ मे रखे हुए थे 2 अक्टूबर 2019 को रायपुर शहर पूरी तरह गांधीमय नजर आ रहा था। जयस्तंभ से माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं अन्य मंत्रीगण के अगुवाई मे गांधी मैदान तक की पद यात्रा की गई। हजारो बच्चो के साथ गांधी मैदान मे भारत का नक्शा बनाकर मध्य से माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पूरे विश्व से शांति का आह्वान किया गया यह एक ऐतिहासिक क्षण था उद्बोधन के बाद मे राष्ट्रगान कर कार्यक्रम को संपन्न किया गया।

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन ने इस विश्व स्तरीय कार्यक्रम को पूरा किया। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन भविष्य में कई नए कार्यक्रमों की तैयारी कर रही है इंशा अल्लाह बहुत जल्द आप सभी लोगों के सामने पेश किया जाएगा।

बच्चा-बच्चा गाँधी
(नमन बापू)

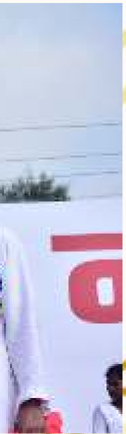

ASA

नमन बापू!

कलम का लंगर

एक रोटी कम खाओ, लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाओ

नस्लों को मुस्तकबिल से डराए नहीं, तैयार करें

फाउंडेशन का मकसद शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी मुहीम तैयार करना।

जिस एहतराम से हमने नियाज के लंगर खिलाए हैं एक दूसरे को अल्हम्दुलिल्लाह, आज वक्त है उसी एतराम से इल्म, तालीम के भी लंगर कराए। हमारी नस्ले जब इल्म से मजबूत होगी तो और बेहतर फैसले लेंगी बेहतर मुस्तकबिल होगा।

फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की अलग-अलग मस्जिदों में बच्चों को कॉपी और कलम तोहफा देकर शिक्षा के महत्व समझा रही है, लंगर का माहौल बना कर सभी जगह एक नारा बुलंद कर रही है ।

कलम का लंगर

कलम का लंगर

कलम का लंगर

"एक रोटी कम खाओ"
लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाओ"

कलम का लंगर
"एक रोटी कम खाओ
लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाओ"
निवेदक
ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन

नूरुस्सुबाह हॉल

फाउंडेशन द्वारा सर्व सुविधायुक्त हॉल तैयार किया गया है

जिसमें मंच ,साउंड, 200 लोगों के बैठक आदि की व्यवस्था है । जहां आप एक बैनर लाकर अपना पूरा कार्यक्रम कर सकते हैं।

यह हॉल अंजुमन उर्दू गर्ल्स स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल नूरूस्सुबाह बाजी की याद में तैयार किया गया है।'

जहां भविष्य में अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आसानी से किए जा सकेंगे।

हमारा मकसद समाज में छोटे-छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आसानी से अंजाम दिया जा सके ।

रौनक-ए-जहां

चौक सजते है गलियां सजती है बेहतर!!
साथ सजाएंगे हम इसबार किसी गरीब का घर!

रौनक-ए-जहां के आमद की खुशी में फाउंडेशन द्वारा ईद-ए- मिलादुन्नबी 2023 को कुछ नया किया गया। ऐसे मोमिन का घर जो पिछले कई सालों से पेंट नहीं हुआ। फाउंडेशन ने ऐसे सैकड़ो घरों को अपनी ओर से पेंट करवाया । हमारे आका के नाम से किसी का घर सजेगा तो सालों तक सजता रहेगा । इस काम में मुकामी मोहल्ला सजावट कमेटी ने हमारा पूरा सहयोग किया । इंशाल्लाह भविष्य में भी यह आयोजन और व्यवस्थित ढंग से पूरे छत्तीसगढ़ में किया जाएगा

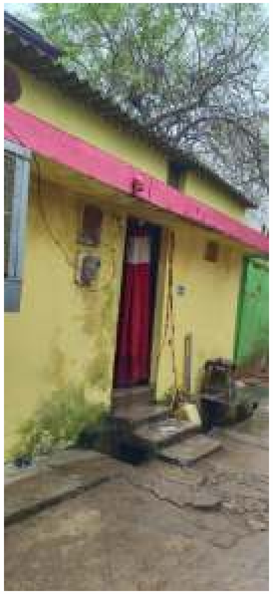

सीरत ए हसन (र. अ)

दीनी क्विज कॉन्टेस्ट

'मौला हसन की याद में क्विज कॉम्पिटिशन रखा गया, कॉन्टेस्ट तो एक बहाना है अपने बच्चों को सीरत- ए -हसन सीखना है। 28 सफर मौला हसन की शहादत का दिन फाउंडेशन की जानिब 15 साल से कम उम्र के बच्चों का सवाल-जवाब प्रतियोगिता रखा गया। लाजमी है कि आप अपने बच्चों को ऐसे कार्यक्रमों से जोड़ें। कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने वाले हर बच्चों को फॉउंडेशन ने तोहफा दिया उनका हौसला अफजाई किया। फाउंडेशन के इस कॉम्पिटिशनन में 400 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया

स्कूली जूतों का तोहफा

ऐसे जरूरतमंद बच्चे जिन्होंने स्कूलों में दाखिला तो ले लिया है लेकिन अभी भी चप्पल पहन कर जाते हैं!
KG-1 से 12वी क्लास तक के बच्चों को ब्रांडेड व नए स्कूल जूते तोहफे में दिए गए !!!
रायपुर के नूरूस्सुबाह हॉल में यह आयोजन किया गया जिसमें सभी समाज के 1000 से अधिक बच्चों ने जूते लिए!
फाउंडेशन की कोशिश रहेगी कि हर साल यह आयोजन किया जाए|

वॉरियर्स की सेवा कर समर्पित किया ईद का पर्व

जगदलपुर. विभिन्न चौक-चौराहों और कोविड टेस्टिंग केंद्र, टीकाकरण केंद्रों में सेवा दे रहे पुलिस के जवान, स्वास्थ्य विभाग के कोरोना वॉरियर्स एवं वॉलेंटियर्स को मीठी सेवाई, नमकीन मिक्चर और शीतल पेयजल बांट कर सभी का मुंह मीठा कर इन कोरोना वॉरियर्स की सेवा कर ईद मनाई गई. आल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन और युवा मुस्लिम समाज के सदस्यों हाजी वसीम अहमद, इमरान बरकटिया, जावेद खान ने बताया कि कोरोना संकटकाल में लोगों की लगातार सेवा कर रहे वॉरियर्स के साथ ईद मनाना अलग तरह का अनुभव रहा. इस मौके पर निजामुर्रहमान, उस्मान रजा, साजिद खान, शेख आदिल, रशीद पवार, फतेहुद्दीन, शाहरुख खान, रमजान भाई एवं अजीजुर्रहमान आदि मौजूद रहे.

नन्हे बच्चों का मुस्लिम समाज ने किया सम्मान, नवनियुक्त पदाधिकारियों को दिया गया नियुक्ति पत्र

नन्हे रोजदार बच्चों का मुस्लिम समाज ने किया सम्मान

जानिब से कल हौसला अफजाई प्रोग्राम

मुस्लिम वेलफेयर के सदस्यों ने मास्क व जूस का वितरण किया

ईद मिलादुन्नबी पर लगाया रक्तदान शिविर

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष बने महफूज अली

कांकेर (नव प्रदेश)। ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के मुस्लिमों के लिए जन कल्याणकारी बहुमुखी कार्यों के माध्यम से शिक्षा मा‍‍‍शाला स्वास्थ्य मानसिक शारीरिक सामाजिक साहित्यिक आर्थिक वैवाहिक व सहयोग के पात्र लोगों की मदद करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों मे कार्यक्रमों का संचालन कर रही है।संस्था के कार्यों में जन सहयोग भी बहुत अच्छा मिल रहा है।आप समाज में पूरी जिम्मेदारी से अच्छे कार्यों को अंजाम देते हैं। वह अपनी नेक सोच के कारण समाज के प्रतिष्ठवान लोगों में आते हैं। और आप की निष्पक्षता व समाज के प्रति उदारता को देखते हुए छत्तीसगढ़ ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन आपको 2 वर्षों के लिए का जिला अध्यक्ष कांकेर नियुक्त करती है।फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष व तमाम ओहदेदार ने मुबारकबाद देते भरोसा जताते कहा है कि भविष्य में फाउंडेशन सभी जिम्मेदारियों को संभाग स्तर पर पूरी मजबूती से नियमों के अंतर्गत रहकर निभाएगी। लाकडाउन में गरीबों को राशन से लेकर बाहर से आए लोगों को उनके घरों तक जाने जैसे नेक काम में रा चुके अव्वल।

कॉम्पिटिशन में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दी प्यारी अज़ानें

वेलफेयर फाउंडेशन ने किया लोगों की मदद

बच्चों का मुस्लिम समाज ने किया सम्मान, नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र

फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने घर-घर जा कर बच्चों को दिये इनाम

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन ने रोजदार बच्चों का किया सम्मान

मुस्लिम समाज ने नन्हें रोजेदार बच्चों को किया सम्मानित

फाउंडेशन मंडल का किया गया गठन

वेलफेयर फाउंडेशन में डौंडीलोहारा के मुस्लिमों को मिली खास जिम्मेदारी

ऑल मुस्लिम वेलफेयर टीम ने किया होनहार बच्चों को सम्मानित

आल मुस्लिम वेलफेयर ने तपती गर्मी में सेवा दे पुलिस कर्मियों का हौसला बढ़ाया

शेख शमीम खान, मतीन खान, मोंटू द्वारा तपती गर्मी में सेवा दे रहे पुलिस कर्मीयों को शीतल पेय के साथ नास्ता का पैकेट देकर उनका हौसला बढ़ाया. लॉकडाउन के कारण नगर के चौक-चौराहों पर तपती गर्मी में पुलिस जवान अपनी ड्यूटी बखूबी निभा कर कोरोना

जवानों का हौसला बढ़ाया

जगदलपुर व घुमका ... फाउन्डेशन ने ...

युवा मुस्लिम समाज

राहेदीन
Azan Competition
ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउन्डेशन
नि:शुल्क नेत्र जाँच एवं उपचार
11-09-2022 / बैरन बाजार, रायपुर
आप सभी का तहेदिल से इस्तकबाल करती है।
www.amwfoundation.in
राहेदीन
सीरत-ए-हुसैन
राहेदीन
कुरआन मुकम्मल
2022
तोहफा कपड़ों का
ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउन्डेशन
Hunar को सलाम
मेहंदी कॉम्पिटिशन
ज़रिया-ए-रिश्ता
ईदी कलम की
ईद मुबारक
ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउन्डेशन
हमशीरा ग्रुप
फखे मिल्लत
ख़िदमत -ए-खल्क़
आख़िरत की तैयारी
वक्फ़ की खिदमत
ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउन्डेशन
परिचय सम्मेलन
ज़रिया-ए-रिश्ता
हमारी एक कोशिश...
आप सभी का तहेदिल से इस्तकबाल करती है।
मोहम्मद सिराज
ख़िदमत -ए-खल्क़
ख़िदमत दवाखाना
अनुभवी डॉक्टरों द्वारा
राहेदीन
नन्हें रोज़दार
2022
परिचय सम्मेलन
Coming Soon
राहेदीन
सीरत-ए-हुसैन
दीनि क्विज कान्टेस्ट
-रिश्ता
Online searching - amwfoundation.in

।हम आप सभी से गुजारिश करते हैं कि इन नेक कामों को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए फॉउंडेशन से जुड़ें।